पाठ 14

आओ, मेरे घर

आपने देखा होगा कि सभी जीव–जंतु कहीं न कहीं रहते हैं। जैसे– पक्षी घोंसलों में, साँप और चूहा बिल में, मकड़ी जाले में तथा मधुमक्खी छत्ते में, वैसे ही हमें भी रहने के लिए घर की आवश्यकता होती है। घर कैसा भी हो, हमें सुरक्षा प्रदान करता है। यह हमें सर्दी–गर्मी और बरसात से बचाता है। घर का मतलब सिर्फ भवन नहीं होता। जैसे– विद्यालय का भवन, पंचायत भवन इत्यादि घर नहीं हैं।

घर का मतलब रहने की वह जगह है। जहाँ हम परिवार के साथ रहते हैं।

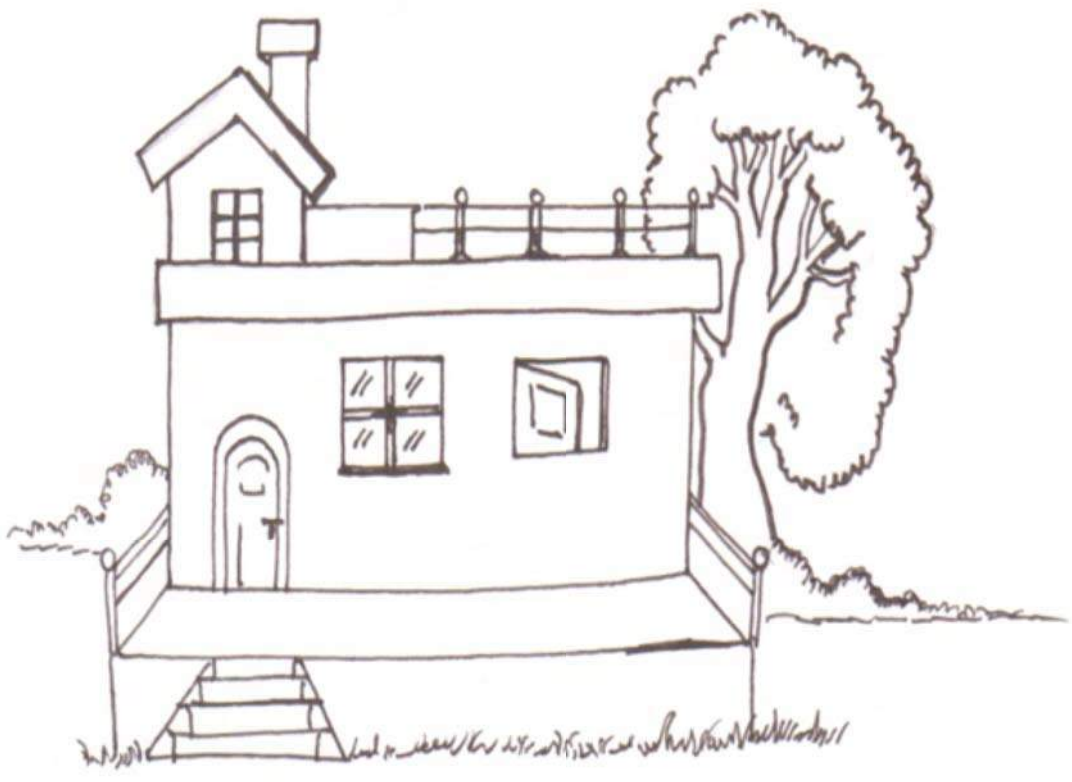

चित्र 14.1 घर के रेखाचित्र में रंग भरिए

राकेश का परिवार अजमेर में रहता है। आपके घर की तरह उसका भी घर है। राकेश अपने घर के बारे में हमें बता रहा है।

यह मेरे घर का प्रवेश द्वार है। यहीं से हम घर में प्रवेश करते हैं। दादी जी दरवाजे के चोखट पर बंदनवार (माला) बाँधती है।

चित्र 14.2 प्रवेश द्वार

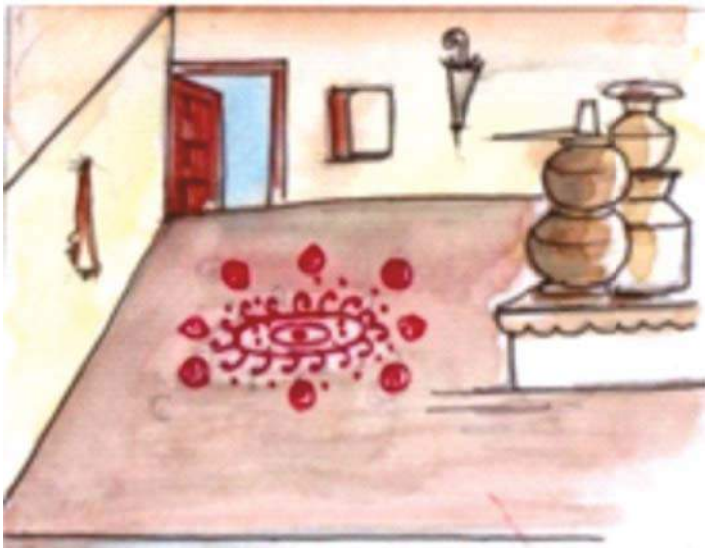

चित्र 14.3 घर का आँगन

यह हमारे घर का आँगन है। मैं और मेरे चचेरे भाई–बहिन यहाँ बैठ कर दादा जी से कहानियाँ सुनते हैं। कभी–कभी मेरी माता जी बड़ियाँ, पापड़ और राबोड़ी बनाकर यहीं पर सुखाती हैं।

यह मेरे घर का बैठक कक्ष है। हम मेहमानों का स्वागत यहीं करते हैं। मेहमान आने पर हमें अच्छा लगता है। मैं उन्हें पानी पिलाता हूँ। मेरी माँ चाय बनाकर लाती है।

चित्र 14.4 बैठक कक्ष

हमारे घर में चार शयन कक्ष हैं। यह हमारा शयन कक्ष है। इसमें हम सोते हैं। मैं अपने दादा जी के साथ सोता हूँ। मेहमानों के सोने के लिए अलग कक्ष है।

चित्र 14.5 शयन कक्ष

यह हमारा रसोई घर है। यहाँ खाना बनाया जाता है। हम सभी यहीं बैठकर एक साथ खाना खाते हैं और घर की बातें करते हैं।

चित्र 14.6 रसोई घर

चित्र 14.7 गौशाला

यह हमारी गौशाला है। हमारी गायें यहीं रहती हैं। प्रतिदिन मेरी माँ गायों का दूध निकालती है। मेरे पिता जी उन्हें चारा देते हैं। मैं बछड़ों के साथ खेलता हूँ।

यह हमारा स्नानघर है। यहाँ हम नहाते हैं। प्रतिदिन सुबह सूर्योदय से पहले घर के सभी सदस्य स्नान कर लेते हैं।

चित्र 14.8 स्नानघर

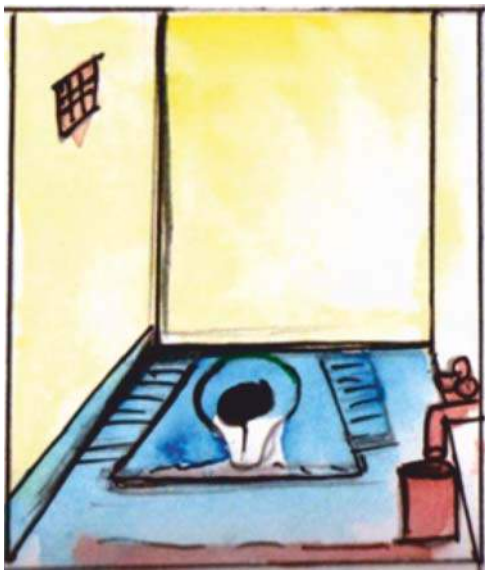

चित्र 14.9 शौचालय

यह हमारा शौचालय है। मेरे दादा जी कहते हैं बाहर शौच करने नहीं जाना चाहिए। इससे बीमारियाँ फैलती हैं। हम स्वयं शौचालय को साफ करते हैं।

सोचिए और लिखिए

- जिस प्रकार राकेश ने अपने घर के बारे में बताया। आप भी अपने घर के बारे लिखिए।

_____

_____

- घर में शौचालय होना क्यों आवश्यक है?

_____

_____

तरह–तरह के घर

गाड़ी में घर

इस चित्र को देखिए। आपने गाँव या शहर में कभी इस तरह के लोगों को देखा होगा। ये लोग एक स्थान पर घर बना कर नहीं रहते। इनका पूरा घर गाड़ी में रहता है। आपको पता है कि ये ऐसे क्यों रहते हैं? इसके पीछे एक कहानी है –

चित्र 14.10 गाड़ोलिया लुहार

चित्तौड़ पर जब मुगलों का आक्रमण हुआ था। तो कई जातियाँ वहाँ से विस्थापित हो गई थी। उनमें से एक गाड़ोलिया लुहार भी थे। इनके पूर्वजों ने प्रण लिया था कि जब तक हम संपूर्ण मेवाड़ को आजाद नहीं करवा लेते, तब तक घर में नहीं रहेंगे। वे घर का त्याग कर महाराणा के साथ जंगलों में रहने लगे।

सोचिए और लिखिए

- यदि आपको इस तरह रहना पड़े तो क्या अनुभव करेंगे?

  _____

- उन्हें सर्दी, गर्मी, बरसात में किस तरह की समस्याएँ आती होगी?

  _____

- इनके बच्चे कहाँ पढ़ने जाते होंगे?

  _____

  _____

बहुमंजिला इमारतें

आपने शहरों में ऐसी इमारतें देखी होगी। शहरों में जमीन कम होने के कारण ऐसी इमारतें बनाई जाती हैं, ताकि कम स्थान पर अधिक लोग रह सकें।

चित्र 14.11 बहुमंजिला इमारतें

ढालू छतों के घर

चित्र में बताए गए घर मिट्टी की मोटी दीवारों से बने होते हैं। इनकी छतें ढालू होती हैं। अलग–अलग क्षेत्रों में छतें अलग–अलग सामग्री से बनाई जाती हैं।

चित्र 14.12 ढालू छतों के घर

सोचिए और बताइए

- बहुमंजिला इमारतों में रहने वाले लोग ऊपरी मंजिल पर कैसे जाते होंगे?
- बहुमंजिलों में रहने वाले लोगों को कौन–कौनसी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता होगा?
- मकानों की छतें ढालू क्यों बनाई जाती हैं?

टेंट या तंबू

प्राकृतिक आपदा जैसे बाढ़, भूकंप आदि के कारण लोग बेघर हो जाते हैं। उस समय उनके लिए तंबू लगाकर अस्थायी आवास की व्यवस्था की जाती है। हमारे देश के सैनिक जो देश की रक्षा के लिए

चित्र 14.13 तंबू

दिन–रात सीमा पर तैनात रहते हैं। वे भी दुर्गम स्थानों पर कई दिनों तक तंबुओं में रहते हैं।

यह भी कीजिए

आप एक डिब्बा एवं अन्य सामग्री को इकट्ठा कर घर का मॉडल बनाइए।

हमने सीखा

- वह स्थान जहाँ हम परिवार के साथ रहते हैं, घर कहलाता है।
- घर में बैठक कक्ष, शयन कक्ष, रसोई, खुला आँगन, स्नानघर व शौचालय आदि होता है।
- घर भी अलग–अलग तरह के होते हैं जैसे– गाड़ी में घर, ढालू छतों के घर, बहुमंजिला इमारतें आदि।

शिक्षक निर्देश – छात्रों को तरह–तरह के घर के मॉडल बनाने हेतु प्रेरित करें।

सबसे अच्छा, सबसे न्यारा
अपना घर है सबसे प्यारा